

भरोसो ने करियो पापी मन को
पापी मन को-रे- पापी मन को-

भरोसो ने-----

राम- लखन की सुन्दर जोड़ी
सुन्दर जोड़ी- हाँ- सुन्दर जोड़ी
इन्हें दुख पर गओ- सीता हरन को- ॥२॥

भरोसो ने-----

राधा- किशन खों, सब जग जाने
सब जग जाने- हाँ- सब जग जाने
बड़े दुख पर गओ- मथरा गमन को- ॥२॥

भरोसो ने-----

राजा करन रुक हो गये दानी
हो गये दानी- हाँ- हो गये दानी
रखो मान इनने- मात बचन को- ॥२॥

भरोसो ने-----

कहें "श्री बाबा श्री" सुनो सब साथी
सुनो सब साथी- हाँ- मेरे साथी
बिसरियो ने भैया- हरि चरनन को-

भरोसो ने-----